

राजस्थान राजकार
शिक्षा (गुप-4) विभाग

पत्रांक: प.15(5)शिक्षा-4 / 2020

जयपुर, दिनांक: 22.07.2020

आदेश

डॉ. भीमराव आग्रेडकर विधि विश्वविद्यालय, जयपुर के विधिवत रूप से अस्तित्व में आ जाने के फलस्वरूप डॉ. भीमराव आग्रेडकर विधि विश्वविद्यालय, जयपुर अधिनियम, 2019 (2019 का अधिनियम संख्यांक 6) की धारा 4 की उपधारा (1) व (2) (क) (ख) में वर्णित प्रावधानों के अन्तर्गत वर्तमान सत्र 2020-21 से राज्य के समस्त विधि महाविद्यालय (अन्य विश्वविद्यालयों के घटक महाविद्यालयों के सिवाय) डॉ. भीमराव अग्रेडकर विधि विश्वविद्यालय, जयपुर से सम्बद्धता प्राप्त करते हुए संचालित होंगे।

विधि प्रथम वर्ष स्नातकोत्तर आदि(सत्र 2020-2021) में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी डॉ. भीमराव अग्रेडकर विधि विश्वविद्यालय, जयपुर में नामांकित होंगे। सत्र 2019-20 तक प्रवेशित/नामांकित सभी छात्रों की परीक्षा आयोजन व उपाधि प्रदान करने इत्यादि का उत्तरदायित्व पूर्ववती विश्वविद्यालयों का ही होगा।

इस संबंध में डॉ. भीमराव अग्रेडकर विधि विश्वविद्यालय, जयपुर एवं राज्य के समस्त राज्यपोषित विश्वविद्यालय परस्पर आवश्यक समन्वय स्थापित करते हुए उक्तानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे।

(४-८)
(शुचि शर्मा)

शासन सचिव, उच्च शिक्षा

प्रतिलिपि निम्ननामित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :-

1. सचिव, माननीय कुलाधिपति महोदय, राजभवन, जयपुर।
2. प्रमुख सचिव, मारो मुख्यमंत्री महोदय, राजस्थान सरकार, जयपुर।
3. निजी सहायक, माननीय मंत्री महोदय, उच्च शिक्षा, राजस्थान, जयपुर।
4. निजी सचिव, शासन सचिव, उच्च शिक्षा, राजस्थान, जयपुर।
- 5.. सचिव, घार कॉसिल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली।
6. निदेशक, कॉलेज शिक्षा, शिक्षा संकुल, जयपुर।
7. कुलपति, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर।
8. कुलपति, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर।
9. कुलपति, राजरथान विश्वविद्यालय, जयपुर।
10. कुलपति, महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर।
11. कुलपति, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, वीकानेर।
12. कलपति, कोटा विश्वविद्यालय, कोटा।
13. कुलपति, प. दीनदयाल उपाध्याय शेखावटी विश्वविद्यालय, सीकर।
14. कुलपति, गोविन्द गुरु जनजातिय विश्वविद्यालय, वांसवाड़।

15. युलपति, राजनीति गत्वा विश्वविद्यालय, आगरा ।
16. युलपति, गहाराजा रूरुपल गृज विश्वविद्यालय, भरतपुर ।
17. युलपति, डॉ. भीमराव आमोळवर मिश्वविद्यालय, जयपुर की फलक पर्याप्त 13/2020 दिनांक 22.04.2020 के द्वारा ने प्रेसिड नारे लौटा है कि विश्वविद्यालय के स्तर से समरत राज्यपालिता विश्वविद्यालयों की पत्र प्रेसिड नारे संवेदन संसद द्वारा विधि गहाविद्यालयों की रूचना (Ratna) प्राप्त विद्या जाना युक्तियत्तम है इस अधिनियम के विहित प्रावधानानुसार मिश्व रामता कार्यवाली विद्या जाना युक्तियत्तम करे तथा यह भी सुनिश्चित नारे कि यह प्रक्रिया उपरोक्तानुसार चालियद्वारा ही की जानी है ।
18. रक्षित पन्नावली ।


रामबबू सिंह, उच्च शिक्षा